बिहार विधान परिषद

(197वां बजट सत्र)

19 मार्च, 2021

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

कुल प्रश्न 26

व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक

*192 **श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना में सदाकत आश्रम के निकट बड़े भूभाग में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा 1921 में बिहार विद्यापीठ की स्थापना की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यापीठ की स्थापना स्वतंत्रता आंदोलन के समय शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के उद्देश्य से की गयी थी;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यापीठ परिसर में प्रथम राष्ट्रपति स्व० राजेंद्र प्रसाद जी ने अवकाशग्रहण के पश्चात् अपना जीवनकाल बिताया था और वहां राजेंद्र स्मृति संग्रहालय भी अवस्थित है;

(घ) क्या यह सही है कि विगत कुछ वर्षों से उक्त परिसर का व्यावसायिक इस्तेमाल किया जाने लगा है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भूखंड एवं परिसर की गरिमा को बनाए रखने के उद्देश्य से उक्त परिसर को अधिग्रहित कर उसके व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक लगायेगी, यदि नहीं तो क्यों?

वांछित राशि कब तक

*396 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में 72 गैर-सरकारी अल्पसंख्यक विद्यालय हैं, जिनके वेतनादि हेतु सरकार अनुदान उपलब्ध कराती है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार ने विभागीय पत्रांक -1034, दिनांक - 09.12.2020 द्वारा सत्र 2020-21 में दिसम्बर 2020 से फरवरी 2021 तक उक्त कोटि के विद्यालयों के लिए वेतनानुदान निर्गत किया है, लेकिन सीवान जिले को वंचित कर दिया है;

(ग) क्या यह सही है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी, सीवान ने अपने पत्रांक – 1913, दिनांक -18.12.2020 द्वारा एक करोड़ अस्सी लाख निन्यानवे हजार पांच सौ एक रुपये की अधियाचना की है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार सीवान जिले के अल्पसंख्यक विद्यालयों के लिए वांछित राशि कबतक उपलब्ध कराने का विचार रखती है?

उच्च विद्यालयों में वरीयता-निर्धारण

*397 **डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शिक्षा विभाग की अधिसूचना, दिनांक 11/20.08.20 की सेवा शर्त में उच्च विद्यालयों में वरीयता निर्धारण के लिए कोई प्रावधान निर्दिष्ट नहीं किया गया है। सेवा शर्त से पूर्व एवं पश्चात इस संदर्भ में कोई विभागीय पत्र भी निर्गत नहीं किया गया, जिससे विद्यालय की विधि एवं व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो इस सन्दर्भ में सरकार द्वारा क्या ठोस कदम उठाया जा रहा है?

वेतन वृद्धि का लाभ

*398 **प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नियोजन एवं सेवाशर्त नियमावली 2012 एवं नियुक्ति, प्रोन्नति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त नियमावली 2020 में एक वर्ष के बाद वार्षिक वेतन वृद्धि का प्रावधान किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त नियमावली के तहत नियुक्त शिक्षकों को योगदान की तिथि से एक वर्ष बीत जाने के बाद वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि शिक्षा विभाग द्वारा निर्गत संकल्प संख्या – 1530, दिनांक – 11.08.2015 के द्वारा शिक्षकों की पूर्व की सेवा के तीन वर्ष पर एक वेतन वृद्धि का लाभ देकर वेतन का निर्धारण किया गया है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त संकल्प के कारण जनवरी/फरवरी, 2014 में नियुक्त शिक्षकों का वेतन निर्धारण/वेतन भुगतान जुलाई/अगस्त 2016 में नियुक्त शिक्षकों से कम हो रहा है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार खंड (घ) में वर्णित शिक्षकों की वेतन विसंगति को दूर करते हुए नियुक्ति की तिथि के एक वर्ष के बाद वेतन वृद्धि का लाभ प्रदान करने का विचार रखती है?

अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति

***399 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि स्वर्गीय रामदेव मंडल, आदेशपाल मोक्षदा बालिका उच्च विद्यालय, भागलपुर के सेवारत रहते हुए मृत्युपरांत अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु दायर याचिका संख्या – 3893/2016 में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा न्यायादेश पारित किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि माननीय न्यायालय के द्वारा पारित न्याय निर्णय के बावजूद स्वर्गीय रामदेव मंडल के आश्रित पुत्र श्री संजय कुमार मंडल की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर नहीं हुई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्वर्गीय

रामदेव मंडल के आश्रित पुत्र श्री संजय कुमार मंडल की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

चिकित्सा अवकाश देने का विचार

***400 श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के राजकीय विद्यालयों में कार्यरत नियमित शिक्षक एवं कर्मचारियों को चिकित्सा अवकाश का संचयन 180 दिन दिया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के नियोजित शिक्षकों को चिकित्सा अवकाश 120 दिन ही दिया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार राज्य के नियोजित शिक्षकों को भी चिकित्सा अवकाश 180 दिन देने का विचार रखती है?

पुनरीक्षित पेंशन की अन्तर राशि का भुगतान

***401 डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के सेवानिवृत्त शिक्षकों की पुनरीक्षित पेंशन की अन्तर राशि का भुगतान सरकार नहीं कर रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकों की पुनरीक्षित पेंशन की अन्तर राशि का भुगतान यथाशीघ्र करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पांडुलिपियों का संरक्षण

***402 डा. दिलीप कुमार जायसवाल (पूर्णिया, अररिया स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मिथिला संस्कृत शोध संस्थान, दरभंगा, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा और कामेश्वर सिंह रिसर्च इंस्टिच्यूट, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में लगभग बीस हजार अति महत्वपूर्ण पांडुलिपियां रक्षित है, जिनका संरक्षण और संवर्द्धन अत्यंत आवश्यक है;

(ख) क्या यह सही है कि इन पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु भारत सरकार के संस्थान नेशनल पांडुलिपि मिशन और इनटैक द्वारा तकनीकी सहायता ली जा सकती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त संस्थानों की पांडुलिपियों के संरक्षण और संवर्द्धन की एक योजना स्वीकृत कर इन पांडुलिपियों का संरक्षण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पुस्तकालय भवन बनाने का विचार

***403 प्रो. (डा.) रामबली सिंह (विधान सभा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगडिया जिलान्तर्गत प्रखण्ड खगडिया की महादलित बाहुल्य पंचायत बरैय में एक पुस्तकालय भवन की अति आवश्यकता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त वर्णित पुस्तकालय भवन बनाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

प्राथमिक विद्यालय की नई इकाई का सृजन

***404 श्री संजय पासवान (विधान सभा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नवादा जिला के नरहट प्रखंड में स्थित ग्राम-मायापुर, अनुसूचित जाति बहुल एक राजस्व गांव है;

(ख) क्या यह सही है कि प्रश्नगत गांव में बच्चों के पठन-पाठन हेतु अबतक प्राथमिक विद्यालय की स्थापना नहीं की गयी है;

(ग) क्या यह सही है कि नरहट प्रखंड पंचायत समिति की दिनांक – 15.01.2021 की बैठक में इस ग्राम में प्राथमिक विद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव पारित किया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार ग्राम मायापुर में प्राथमिक विद्यालय की नई इकाई के सृजन का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई

***405 श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शिक्षक नियोजन नियमावली के प्रावधान के अनुसार नियोजित शिक्षकों के चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति, योग्यता विस्तार की अनुमति तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षित वेतन भुगतान के आदेश की शक्ति नियोजन इकाई के सचिव को प्रदत्त है;

(ख) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिला परिषद् माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के उपर्युक्त मामले उप-विकास आयुक्त सह सचिव नियोजन इकाई के रवैये के कारण लंबित हैं और वे प्रताडि़त हो रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार नियोजन इकाई के सचिव के बदले यह अधिकार विभाग के सक्षम अधिकारी को देने एवं कार्य निष्पादन शीघ्रता से करने का निदेश देते हुए दोषी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सम्मान राशि

***406 श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खेल सम्मान समारोह में मेडल पाने वाले या बेहतर परफॉरमेंस के आधार पर खिलाडि़यों का चयन किया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि पिछले साल करीब दो सौ खिलाडि़यों को सम्मान के लिए चुना गया था, खेल सम्मान में चयनित खिलाडि़यों को देने के लिए वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए 3.50 करोड़ की राशि जारी की गई थी, लेकिन खर्च नहीं होने के कारण डेढ़ करोड़ लौटा दिए गए हैं;

(ग) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 का खेल सम्मान देने के लिए खिलाडि़यों का चयन कर लिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार राज्य के उक्त खिलाडि़यों को खेल सम्मान समारोह में कबतक सम्मान राशि देना चाहती है?

निष्पक्ष जांच का विचार

***407 श्री सुबोध कुमार (वैशाली स्थानीय प्राधिकार):**

विज्ञान एवं प्रावैधिकी :-

क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि BCECE Act – 1995 के द्वारा अध्यक्ष सह सदस्य राजस्व पर्षद BCECE के पदेन अध्यक्ष होते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि दैनिक भास्कर अखबार में दिनांक – 24.12.2020 को शीर्षक ''साइट हैक की बदली छात्रों की च्वाइस'' समाचार छापा गया है जिसकी ओर अध्यक्ष सह सदस्य राजस्व पर्षद का ध्यान गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या BCECE द्वारा राज्य के Engineering एवं MBBS कॉलेजों में नामांकन किये गये छात्रों की निष्पक्ष जांच कराने का विचार रखती है?

उच्च शिक्षा का विचार

***408 श्री सच्चिदानंद राय (स्थानीय प्राधिकार, सारण):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण प्रमण्डल अन्तर्गत प्रतिवर्ष पांच से छः लाख छात्र/छात्रा इण्टरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, जिनमें मात्र 38 हजार छात्रों का नामांकन स्नातक में हो पाता है, शेष छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि सारण प्रमण्डल के क्षेत्राधीन डिग्री कॉलेज नहीं होने से स्नातक में नामांकन से वंचित छात्रों को उच्च शिक्षा नहीं मिल पा रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार सारण में डिग्री कॉलेज खोलकर स्नातक में नामांकन से वंचित छात्रों को उच्च शिक्षा देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय खोलने का विचार

***409 सर्वेश कुमार (स्नातक दरभंगा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के 31 जिलों में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय के माध्यम से राज्य के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार राज्य के विशेष जिलों में जवाहर नवोदय विद्यालय या इसके समतुल्य सुविधायुक्त एवं स्तरीय आवासीय विद्यालय खोलने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियुक्ति करने पर विचार

***410 प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि STET 2019 उत्तीर्ण शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक अभ्यर्थियों की नियोजन प्रक्रिया अभी तक प्रारंभ नहीं होने के कारण अभ्यर्थियों में असंतोष व्याप्त है;

(ख) क्या यह सही है कि माननीय पटना उच्च न्यायालय में दायर CWJC संख्या 175/2017, 1035/2018 एवं इससे उत्पन्न MJC No. 3748/2017 के आलोक में विषय का संज्ञान होने पर सरकार द्वारा उक्त कोटि के पदों पर नियोजन करने का निर्णय लिया गया एवं दिनांक – 16.12.2019 को परीक्षा का भी आयोजन किया गया;

(ग) क्या यह सही है कि अपर मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग ने अपने शपथ पत्र संख्या – 16248, दिनांक – 8.11.2019 को शपथ पत्र में लिखा है कि अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र 25.04.2020 से 30.04.2020 तक दे दिया जाएगा;

(घ) क्या यह सही है कि प्रशासी पदवर्ग समिति से उक्त कोटि के 8386 पदों की स्वीकृति भी मिल चुकी है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार जनहित में कबतक शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक की नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण कर उनकी नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

गतिशील करने की योजना

***411 श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राजेन्द्रनगर, पटना स्थित मोइनुलहक स्टेडियम में विगत

25 वर्षों से कोई भी क्रिकेट वन डे, टेस्ट या 20/20 मैच का आयोजन नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि मोइनुलहक स्टेडियम का स्तर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैच के आयोजन के अनुरूप है लेकिन इसके बावजूद वहां किसी मैच का आयोजन नहीं हो पा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा ग्रहित बिहार खेल प्राधिकरण, छात्र युवा कल्याण निदेशालय, बिहार संगीत नाटक अकादमी, बिहार ललित कला अकादमी जैसी संस्थानों की कोई नियमित बैठक तक नहीं आयोजित की जाती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बताएगी कि उपरोक्त उदासीनता तथा लापरवाही भरे रुख बदलने तथा पटना में शीघ्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैच के आयोजन तथा विभाग से जुड़े संस्थानों को गतिशील करने की कोई कार्य योजना विचारणीय है, यदि नहीं तो क्यों?

गुणवत्ता की जांच

***412 श्री नीरज कुमार (पटना स्नातक):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गौरवशाली पटना विश्वविद्यालय गंगा नदी के तटीय भाग पर अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि गंगा तट के नजदीकी इलाकों में कैंसर रोगियों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताएगी कि पटना विश्वविद्यालय परिसर में महाविद्यालय परिसर, दरभंगा हाऊस एवं विभिन्न छात्रावास के पानी की गुणवत्ता की जांच करवाई गई है, यदि हां तो क्या विस्तृत प्रतिवेदन से सदन को अवगत कराना चाहेंगे?

ससमय पारिश्रमिक (वेतन) देने का विचार

***413 श्रीमती रीना देवी उर्फ रीना यादव (स्थानीय प्राधिकार, नालन्दा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में कार्यरत रसोइया-सह-सहायकों का पारिश्रमिक (वेतन) पूरे बारह माह का नहीं दिया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि रसोइया-सह-सहायकों का पारिश्रमिक सही समय पर नहीं मिलने एवं कम पारिश्रमिक मिलने के कारण उन्हें रोजमर्रा का जीवन जीने में कठिनाई हो रही है;

(ग) क्या यह सही है कि रसोइया के कार्य में अनुसूचित जाति, पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग की महिलाएं कार्यरत हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रसोइया-सह-सहायकों के मानदेय में वृद्धि करने, सालों भर का वेतन देने तथा ससमय पारिश्रमिक देने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

संगीत महाविद्यालय की स्थापना

***414 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शहनाई वादक भारत रत्न विस्मिल्ला खां, ध्रुपद गायक राम चतुर मल्लिक और पखावज वादक राम चतुर मलिक जैसी महान संगीत हस्तियों, सुर साधकों, लोक गायक-गायिकाओं की धरती होते हुए भी बिहार में कोई संगीत महाविद्यालय नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि संगीत महाविद्यालय नहीं रहने के कारण संगीत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को दूसरे प्रदेश में जाना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' एवं 'ख' में वर्णित कारणों से राज्य में छः वर्ष पूर्व संगीत महाविद्यालय स्थापित करने की स्वीकृति सरकार से मिली थी;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार द्वारा स्वीकृत होने के बावजूद संगीत महाविद्यालय की स्थापना अभी तक नहीं होने का क्या औचित्य

है?

पुनः नियोजित

***415 श्री हरिनारायण चौधरी (समस्तीपुर स्थानीय प्राधिकार):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सिकंदरा के पत्रांक – 25-6/2007, दिनांक – 23 फरवरी 2007 के आलोक में श्रीमती मंजूला कुमारी को प्रखण्ड शिक्षक के रूप में नियोजित किया गया था। नियोजन के पश्चात् उन्होंने दिनांक 24 फरवरी 2007 को उ. म. विद्यालय, सिझौरी में प्रखण्ड शिक्षक के रूप में अपना योगदान दे दिया था;

(ख) क्या यह सही है कि श्रीमती कुमारी नियमित रूप से अपने पद पर कार्यरत थीं, जिन्हें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सिकंदरा के पत्रांक - 39, दिनांक - 14-01-2020 के आलोक में शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के पत्रांक - 318, दिनांक 09-05-2012 को दर्शाते हुए नियोजित शिक्षक के पद से मुक्त कर दिया गया;

(ग) क्या यह सही है कि सेवा से मुक्त होने के उपरांत जिला अपीलीय पदाधिकारी के यहां केस दायर किया गया, जिसके आलोक में बिहार सरकार द्वारा आदेश पारित किया गया था, जिसमें यह स्पष्ट रूप से लिखा गया कि वर्ष 2012 में अमान्य संस्था द्वारा प्रमाण पत्र के आधार पर नियोजित शिक्षक बहाल नहीं किए जाएं, परन्तु श्रीमती कुमारी 2007 से ही अपने पद पर कार्यरत थीं, जिनके संबंध में अपीलीय पदाधिकारी के आदेश के आलोक में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, जमुई के पत्रांक – 459, दिनांक – 29-12-2020 द्वारा शिक्षा विभाग से मार्गदर्शन मांगा गया है जो अभी तक अप्राप्त है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिला अपीलीय पदाधिकारी, जमुई के निर्णय के आलोक में श्रीमती कुमारी को प्रखण्ड शिक्षक के पद पर पुनः नियोजित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

कार्रवाई करने का विचार

***416 श्री खालिद अनवर (विधान सभा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अल्पसंख्यक मंत्रालय से मुस्लिम बच्चों को मिलने वाली छात्रवृत्ति में भ्रष्टाचार चरम पर है;

(ख) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला के हजारों सरकारी स्कूली बच्चों की छात्रवृत्ति के आवेदन को यह कहकर बेकार करार दे दिया गया कि इंस्टीच्यूट जाली है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस संबंध में पदाधिकारियों पर कबतक कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

बर्खास्त करने का विचार

***417 डा. एन. के. यादव (स्नातक कोशी):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि श्री संजय कुमार चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नवादा के विरुद्ध अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, मधुबनी के पद पर रहते जिला पदाधिकारी, मधुबनी के पत्र संख्या – 2984/जि०गो०, दिनांक – 19 दिसम्बर 2009 के द्वारा शिक्षा विभाग, बिहार, पटना को उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना, मर्यादा का उलंघन एवं पदाधिकारियों से अशोभनीय व्यवहार के आरोप में विभागीय निर्देश से प्रपत्र 'क' गठित कर भेजा गया तथा इनके जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना), समस्तीपुर के पद पर रहते हुए वित्तीय अनियमित्ता के आरोप में (मा०शि०), बिहार, पटना के पत्रांक – मा० शि०/स्थापना/159/19/911 के संदर्भ में वाद संख्या 19683/2016 के द्वारा निदेशक (प्रशासन)-सह-अपर सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना को प्रपत्र 'क' गठित कर भेजा गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त आरोपों पर आज तक किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार श्री संजय कुमार चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, नवादा पर लगाये गए दोनों आरोप पत्रों पर गठित प्रपत्र 'क' पर कार्रवाई कर उन्हें निलंबित/बर्खास्त करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

विद्यालय उत्क्रमित कबतक

***418 श्रीमती मनोरमा देवी (स्थानीय प्राधिकार, जहानाबाद, गया एवं अरवल):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छपरा जिला के मढ़ौरा प्रखण्ड के अगहरा पंचायत में बुनियादी मध्य विद्यालय है;

(ख) क्या यह सही है कि बुनियादी मध्य विद्यालय, अगहरा में 17 बीघा सरकारी जमीन उपलब्ध है;

(ग) क्या यह सही है कि अगहरा पंचायत के मात्र तीन कट्ठा भूमि वाले मसहा स्कूल को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने के लिए अनुशंसा की गयी है,

(घ) क्या यह सही है कि बुनियादी मध्य विद्यालय, अगहरा के पास भूमि होने के बावजूद उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करने की अनुशंसा नहीं की गयी है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मसहा स्कूल के स्थान पर बुनियादी मध्य विद्यालय, अगहरा को उत्क्रमित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

स्टेडियम का निर्माण

***419 मो. फारूक (विधान सभा):**

कला, संस्कृति एवं युवा :-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि शिवहर के जिला मुख्यालय में युवाओं के क्रीड़ा अभ्यास एवं प्रदर्शन हेतु स्टेडियम का निर्माण अबतक नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि इसके अभाव में युवाओं की क्रीड़ा क्षमता कुंठित हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शिवहर जिला मुख्यालय में स्टेडियम का निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

वेतन भुगतान

***420 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

शिक्षा :-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला में 609 कोटि के 64 मदरसों में 388 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनका वेतन भुगतान बैंक खाता के द्वारा प्रतिमाह किया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि इन मदरसों के शिक्षकों का वेतन भुगतान सितम्बर, 2019 से लेकर अभी तक नहीं हुआ है, जो नियमित वेतन भुगतान की नीति के प्रतिकूल है, यदि हां तो इन शिक्षकों को उल्लिखित माह का वेतन भुगतान सरकार कबतक करेगी?